डॉ० राय चन्द्र पासवान
अध्यक्ष
मो० 9471867310

बिहार पशु चिकित्सा संघ

कार्यालय – विद्यापति मार्ग, पटना–800001
Email- bvapatna@gmail.com

डॉ० विनोद कुमार मुक्ता
प्रधान महासचिव
मो० 7488601083

पत्रांक- 71 दिनांक- 25.08.2020

महासचिव
डॉ० दिलीप कुमार
मो० 9801881887
उपाध्यक्ष
डॉ० शोभा कुमारी
मो० 7858012676
डॉ० जितेन्द्र कुमार भोला
मो० 6203955586
डॉ० सुधांशु कुमार
मो० 9939365429
डॉ० अंजनी कु० सिन्हा
मो० 9334164261
संगठन सचिव
डॉ० अनिल कुमार निर्झर
मो० 8002460154
कोषाध्यक्ष
डॉ० जितेन्द्र प्रसाद
मो० 9431033631
वित्त सचिव
डॉ० प्रमोदानंद लाल दास
मो० 9431472705
अंकेक्षक
डॉ० विजय प्रसाद मंडल
मो० 9430947979
तकनीकी सचिव
डॉ० सीमु
मो० 9471642606
प्रचार सचिव
डॉ० अंशु कुमार
मो० 9572165500
क्षेत्रीय सचिव
डॉ० सत्य नारायण यादव
मो० 9204908025
डॉ० संजीत कुमार
मो० 7070521479
डॉ० पंकज कुमार
मो० 8178451672
डॉ० करूणा भारती
मो० 9905277744
डॉ० साकेत कुमार
मो० 9471404196
डॉ० राजशेखर
मो० 7979085551
डॉ० निरंजन कुमार
मो० 9162394546
डॉ० उपेंद्र कुमार चौधरी
मो० 7091974830

सेवा में,

माननीय मंत्री महोदय,
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग,
बिहार, पटना।

विषय :–सन् 2022 तक राज्य के कृषकों / पशुपालकों की आय को दोगुणी करने की दिशा में सर्वाधिक महत्वपुर्ण सुझाव।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में नम्र निवेदन पूर्वक कहना है कि सन् 2022 तक राज्य के कृषकों / पशुपालकों की आय को दोगुणी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सबसे बड़ा अवरोध है पशुचिकित्सा का अत्यधिक लागत तथा गुणवत्तायुक्त चिकित्सा का कम आच्छादन। इसके लिए यह आवश्यक है कि पशु औषधियों पर गरीब पशुपालकों को कम से कम 50 फीसदी की सब्सिडी दी जाय। इस सब्सिडी का बहुआयामी सकारात्मक प्रभाव दिखेगा, यथा :–

1. इससे राज्य के किसान / पशुपालक के सभी घटकों को अपनाने के लिए आकर्षित होंगे।
2. पशुपालन व्यवसाय की लागत कम होगी और लाभ का अनुपात बढ़ेगा; जिससे अन्य पेशेवर भी इस व्यवसाय को अपनाने लगेंगे।
3. यह सब्सिडी चूंकि सरकारी पशुचिकित्सक के पुर्जा पर ही उपलब्ध होगी, इसलिए पशुचिकित्सालयों में पशुपालकों की भीड़ 5–7 गुणा बढ़ जायेगी, जिससे गुणवत्तायुक्त सांस्थिक चिकित्सा का लाभ पशुपालकों को मिलना प्रारम्भ हो जायगा। साथ ही पशुपालकों के ज्यादा भीड़ बढ़ने से पशुपालकों का ज्ञानवर्द्धन होना, जागरुकता बढ़ेगी तथा सरकार के प्रति जनता का विश्वास भी बढ़ेगा।
4. गुणवत्तायुक्त चिकित्सा का आच्छादन बढ़ने से पशुओं की मृत्यु दर में कमी आयेगी तथा Preventive Medicine के प्रति जागरुकता पैदा होगी।
5. पशुचिकित्सालयों की भीड़ 5–7 गुण बढ जाने से पशु चिकित्सकों की व्यस्तता इतनी बढ़ जायेगी कि उन्हें छुट्टी के दिन भी मुख्यालय छोड़ना मुश्किल हो जायेगा।
6. इस पहल से सरकार एवं पशुचिकित्सकों पर किसानों की निर्भरता बढेगी। सरकार की छवि और बेहतर होगी तथा इस पहल से राज्य की जनता अभूतपूर्व पहल के रुप में स्वीकार करेगी।

क्योंकि बदलते परिप्रेक्ष्य में पशुपालन ग्रामीण जीविकोपार्जन का सर्वाधिक सहज, सुलभ, सस्ता, त्वरित एवं नैसर्गिक स्त्रोत है। इससे गरीब, दलित, महिला, परित्यक्ता, विकलांग, भूमिहीन

तथा समाज का हर वर्ग अपनी रुची एवं कौशल के अनुरुप अपनाकर अपनी जीविका को सुरक्षित एवं संरक्षित कर सकता है। वस्तुतः बिहार जैसे उद्योगविहीन एवं प्राकृतिक संसाधन विपन्न राज्य के लिए पशुपालन के विभिन्न घटकों का संवर्द्धन एवं दोहन सबसे सम्यक कदम है।

अतः महोदय से अनुरोध है कि वर्णित तथ्यों के आलोक में व्यापक जनहित में उक्त सुझाव को कार्यरुप देने की कृपा प्रदान की जाय। यह कदम राज्य में पशुपालन के इतिहास का अभूतपूर्व पहल माना जायेगा तथा इससे समावेशी विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा।

विश्वासभाजन

Rukta

(डा0 विनोद कुमार मुक्ता)

प्रधान महासचिव